Shodh Martand

ISSN- 2349-3844

Year -10 Jan-December 2024 Volume –18

SHODH –MARTAND

A PEER REVIEWED & REFEREED INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF HUMANITIES
(HALF-YEARLY RESEARCH JOURNAL)

RAGHUVEER MAHAVIDHYALAYA
RAGHUVEER NAGAR, THALOI,
MACHHALISAHAR, JAUNPUR U.P (INDIA)

AFFILETED
VEER BAHADUR SINGH PURVANCHAL UNIVERSITY
JAUNPUR (U.P.) (INDIA)

Principal-Editor
Prof. Ram Sewak Dubey

Cheif Editor
Dr. Vinod Kumar Tripathi

Editor
Dr. Vinay Kumar Tripathi

Sub. Editors
Dr. Rajesh Kumar Tiwari
Dr. Santosh Kumar Upadhyay
Dr. Kripa Shankar Yadav

Shodh Martand

ISSN- 2349-3844

SHODH – MARTAND

A PEER REVIEWED & REFEREED INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF HUMANITIES

Year -10	Jan-December 2024	Volume –18

Contents

❖ सम्पादकीय

समसामयिक लेख

- राष्ट्रभाषा हिन्दी का वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में निहितार्थ
  डॉ0 तुषार रंजन 01—04

शोध—पत्र :—

- भारतीय ज्ञान प्रणाली के मुख्य घटक
  डॉ0 अरविन्द शुक्ल 05—14
- सोशल मिडिया चुनौतियाँ व प्रभाव
  गरिमा सिंह 15—22
- रायबरेली जनपद में वृद्वोजनों की सामाजिक और मनो सामाजिक समस्यायें : एक समाजशास्त्रीय विश्लेषण
  रामा देवी यादव 23—32
- ग्रामीण महिलाओं की समस्याएं एवं उनको दूर करने का सुझाव
  डॉ० सुषमा पाठक व सुषमा भारती 33—43
- न हँसने वाला कवि
  डॉ0 अवधेश कुमार श्रीवास्तव 44—46
- दायभाग और मिताक्षरा : वर्तमान भारतीय न्यायिक व्याख्याओं का अध्ययन
  ज्योति त्रिपाठी व डॉ0 प्रभात कुमार 47—52
- मौर्य साम्राज्य की उन्नति में अर्थव्यवस्था का योगदान
  देवेन्द्र कुमार सिंह व डॉ0 सिद्धार्थ सिंह 53—60
- सीखने में सोशल मीडिया
  डॉ ज्योति पाण्डेय 61—63
- एकात्म मानववाद एवं शिक्षा
  मानस मोहन पाण्डेय 64—74

ISSN- 2349-3844

- कत विधि सृजी नारि जग माँही
  डॉ० अमित कुमार तिवारी 75–81
- पौराणिक कथाकार मनु शर्मा एवं जीवन मूल्य
  डॉ० राममूर्ति त्रिपाठी व गायत्री देवी 82–86
- विद्यार्थियों के जीवन में इंटरनेट की भूमिका : वर्तमान परिदृश्य में
  डॉ0 कृपा शंकर यादव 87–93
- Feminine Awareness in the select novels of Shobha De
  Dr. Madhav Prasad Tripathi 94–98
- Critique of Civilizations from Sri Aurobindo's Perspective
  Dr. Awanish Chand Pandey 99–120

<u>पुस्तक समीक्षाः–</u>

- साक्षी
  डॉ0 विनय कुमार त्रिपाठी 121–123

ISSN- 2349-3844

सम्पादकीय

भारतीय ज्ञान परंपरा में गुरु शिष्य का जो संबंध है वह अद्वितीय है। गुरु अपने शिष्य को नई–नई पद्धतियों के माध्यम से नवीन ज्ञान की सर्जना करता है। जिससे वह शिष्य उस ज्ञान की अविरल धारा से संपूर्ण विश्व को अभिसिंचित करता है। गुरु अपने पुत्र में मोह की भावना रखता है और वहीं दूसरी तरफ शिष्य से वह प्रेम करता है। पुत्र का जो मोह है वह स्वार्थ से परिपूर्ण है। उसको उसमें निजी स्वार्थ की लालसा होती है। किंतु शिष्य का जो प्रेम है वह वास्तव में निःस्वार्थ होता है। जिसमें गुरु अपने संपूर्ण ज्ञान और अनुभव शिष्य को प्रदान करते हैं। यह परंपरा शिक्षा, चरित्र निर्माण और व्यक्तिगत विकास पर केंद्रित है। इसका लक्ष्य केवल भौतिक ज्ञान ही नहीं वरन् आध्यात्मिक ज्ञान भी प्रदान करना है। वर्तमान समय में गुरु प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक शिष्य को सफलता की राह दिखाता है।

इसी ज्ञान रूपी परंपरा को अग्रेतर करते हुए शोध मार्तंड के इस अंक में विभिन्न गुरुओं और शिष्यों का ज्ञान प्रस्तुत किया जा रहा है।

इस अंक में सर्वप्रथम समसामयिकी लेख के क्रम में डॉ0 तुषार रंजन द्वारा राष्ट्रभाषा हिन्दी का वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में निहितार्थ विषय को उपस्थित किया गया। शोध पत्रों के क्रम में डॉ0 अरविन्द शुक्ल द्वारा भारतीय ज्ञान प्रणाली के मुख्य घटक, गरिमा सिंह द्वारा सोशल मिडिया चुनौतियाँ व प्रभाव, रामा देवी यादव द्वारा रायबरेली जनपद में वृद्वोजनों की सामाजिक और मनो सामाजिक समस्यायें : एक समाजशास्त्रीय विश्लेषण, डॉ० सुषमा पाठक व सुषमा भारती द्वारा ग्रामीण महिलाओं की समस्याएं एवं उनको दूर करने का सुझाव, डॉ0 अवधेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा न हँसने वाला कवि, ज्योति त्रिपाठी व डॉ0 प्रभात कुमार द्वारा दायभाग और मिताक्षरा : वर्तमान भारतीय न्यायिक व्याख्याओं का अध्ययन, देवेन्द्र कुमार सिंह व डॉ0 सिद्धार्थ सिंह द्वारा मौर्य साम्राज्य की उन्नति में अर्थव्यवस्था का योगदान, डॉ ज्योति पाण्डेय द्वारा सीखने में सोशल मीडिया, मानस मोहन पाण्डेय द्वारा एकात्म मानववाद एवं शिक्षा, डॉ० अमित कुमार तिवारी द्वारा कत विधि सृजी नारि जग माँही, डॉ० राममूर्ति त्रिपाठी व गायत्री देवी द्वारा पौराणिक कथाकार मनु शर्मा एवं जीवन मूल्य, डॉ0 कृपा शंकर यादव द्वारा विद्यार्थियों के जीवन में इंटरनेट की भूमिका : वर्तमान परिदृश्य में Dr. Madhav Prasad Tripathi द्वारा Feminine Awareness in the select novels of Shobha De, Dr. Awanish Chand Pandey द्वारा Critique of Civilizations from Sri Aurobindo’s Perspective, जैसे शोध पत्रिका प्रकाशन किया जा रहा है।

ISSN- 2349-3844

पुस्तक समीक्षा के क्रम में **डॉ प्रेम शंकर द्विवेदी भास्कर** द्वारा लिखित **“साक्षी”** पुस्तक पर डॉ0 विनय कुमार त्रिपाठी की समीक्षा प्रस्तुत है।

शोध मार्तण्ड का यह अंक आप सभी जनों का ज्ञानवर्धन करते हुए अपनी आभा बिखेरता रहे यही ईश्वर से कामना है।

शोध मार्तण्ड हेतु आपके सुझाव, समसामयिक लेख, शोधपत्र एवं पुस्तक समीक्षाओं की प्रतीक्षा रहेगी।

इन्हीं शब्दों के साथ!

सम्पादक
डॉ0 विनय कुमार त्रिपाठी